

Reg. No.

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|



**HNH 453**

**II Semester M.A. Degree Examination, September/October 2022**

**HINDI (Hard Core)**

**Chayavaad and Chayavaadottar Hindi Kavya**

**(छायावाद और छायावादोत्तर हिन्दी काव्य)**

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

**(2×5=10)**

- i) उस असीम का सुन्दर मन्दिर मेरा लघुतम जीवन रे ।  
मेरी श्वासें करती रहतीं नित प्रिय का अभिनन्दन रे ।

**अथवा**

प्रथम रश्मि का आना रांगिणि,  
तूने कैसे पहचाना ?  
कहाँ-कहाँ हे बाल-विहंगिनि ।  
पाया, तूने यह गाना ?

- ii) सुनकर दहाड़  
स्वाधीन स्वाभिमानी सुशिक्षक प्रेत की  
रह गए निरुत्तर  
महामहिम नर्केश्वर ।

**अथवा**

किन्तु हम हैं द्वीप ।  
हम धारा नहीं हैं ।  
स्थिर समर्पण है हमारा । हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के  
किन्तु हम बहते नहीं हैं । क्योंकि बहना रेत होना है ।

**P.T.O.**



II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (किन्हीं चार) :

(4×15=60)

- i) 'वह तोड़ती पत्थर' कविता में कवि ने मुख्यतः किसका वर्णन किया है ? स्पष्ट कीजिए ।
  - ii) 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' कविता का प्रतिपाद्य बताते हुए उसकी काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
  - iii) 'पूँजीवादी समाज के प्रति' कविता का सारांश लिखिए ।
  - iv) 'अकाल और उसके बाद' कविता में व्यक्त ग्रामीण समस्याओं पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।
  - v) 'टूटा पहिया' कविता की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है ? उदाहरण सहित समझाइए ।
  - vi) 'मेड़ पर इस खेत में बैठा अकेला' कविता में निहित काव्यसौन्दर्य को प्रतिपादित कीजिए ।
-